राज्यपाल ओम माथुर व मुख्यमंत्री ने बालोतरा शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम का शुभारंभ किया

इस कार्यक्रम में सर्वे करके ड्रॉप आउट व नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर विद्यालय भेजा जाएगा

बालोतरा/जयपुर, 5 जुलाई। सिक्किम के राज्यपालक ओम प्रकाश माथुर ने शनिवार को बालोतरा के ग्राम पादरू में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम (बीडीईटी) के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए शिक्षा के क्षेत्र में जो अभिनव प्रयास प्रारंभ किए गए हैं उससे बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों को वित्तीय मदद भी उपलब्ध करवायी गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाकर हर सामाजिक बुराई का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साथ में इंटरनेट कनेक्शन निशुल्क दिए गए हैं। इसके साथ ही पुस्तकालयों को 43 लाख पुस्तकें पहुंचाई गई।

शर्मा ने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में शिक्षा एवं कौशल के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसमें घर-घर सर्वे कर ड्रॉपआउट और नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर उनका विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षा तक ही नहीं बल्कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाने तक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बालोतरा जिले के चहुंमुखी विकास के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया है।

पूर्व में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत पादरू में आयोजित शिविर का अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर लाभार्थियो से संवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी प्रेमलता को चैक एवं रेखा को गोद-भराई किट दिया।

इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, उद्योग राज्यमंत्री के.के.विश्नोई, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, सुधीर गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

- सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंत्योदय पखवाड़े के तहत ग्राम पादरू में लगे शिविर का अवलोकन किया व लाभार्थियों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जोधपुर के शेरगढ़ में दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ऊंट की सवारी की।

अब तक 25 हजार श्रद्धालुओं ने अमरनाथ के दर्शन किए

नई दिल्ली, 5 जुलाई। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह चरम पर है। यात्रा के चौथे दिन तक 25 हजार श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के बीच हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि खबर है कि गर्मी के प्रभाव से बर्फ से निर्मित होने वाला शिवलिंग अब धीरे-धीरे पिघलने भी लगा है।

जानकारी के मुताबिक, जम्मू से करीब 7,000 श्रद्धालुओं का एक और जत्था शनिवार को रवाना हुआ। अब तक कुल 30 हजार से अधिक श्रद्धालु कश्मीर पहुंच चुके हैं। नूनवान बेस कैंप से भी आज श्रद्धालुओं का एक नया जत्था रवाना हुआ। जानकारी के मुताबिक, आज श्रद्धालु भगवती नगर आधार शिविर से दो काफिलों में रवाना हुए।

- चौथे दिन सात हजार यात्री अमरनाथ के लिए रवाना हुए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद से अब तक कुल 25,528 श्रद्धालु जम्मू से अमरनाथ यात्रा के लिए घाटी की ओर रवाना हो चुके हैं।

खास बात यह है कि पहले ऐसा लग रहा था कि पहलगाम हमले के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

रुट में आंशिक बदलाव से कुंभलगढ़ में मुहर्रम विवाद सुलझा

भविष्य में किले में धार्मिक आयोजन पूर्व अनुमति व पुरातत्व के दिशा निर्देश के अनुसार ही होंगे

उदयपुर, 5 जुलाई (कासं)। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ दुर्ग में मोहर्रम पर ताजिए के जुलूस को लेकर पिछले दो दिन से चल रहा विवाद शनिवार को समाप्त हो गया। उपखंड कार्यालय कुंभलगढ़ में प्रशासन, हिंदू संघर्ष समिति और जनप्रतिनिधियों के बीच हुई समझौता वार्ता में सहमति बन गई। तय हुआ कि इस बार मोहर्रम के जुलूस के पूर्व निर्धारित रूट में थोड़ा बदलाव किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बैठक में निर्णय हुआ कि भविष्य में दुर्ग परिसर या उसके भीतर किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति प्रशासन की स्वीकृति और पुरातत्व विभाग की गाइडलाइन के अनुरूप दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मोहर्रम जुलूस को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा दो दिन तक विरोध प्रदर्शन किया गया था। शुक्रवार को केलवाडा बस स्टैंड और प्रताप चौराहे पर सैकड़ों लोगों ने टायर जलाकर भारतीय पुरातत्व विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उपखंड कार्यालय के बाहर पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों का पुतला भी फूंका गया। विरोध के कारण केलवाडा कस्बे के बाजार बंद कराए गए थे जो अब समझौते के बाद पुनः खुल गए हैं।

वार्ता में विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, एडीएम नरेश बुनकर, एसडीएम आकांक्षा दुबे, तहसीलदार बाबूलाल नारनौलिया, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक, डीएसपी ज्ञानेंद्र सिंह, थानाधिकारी विशाल गवारिया और हिंदू संघर्ष समिति के प्रतिनिधि शामिल रहे। हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक रजनीश शर्मा समेत पांच सदस्यों ने वार्ता में हिस्सा लिया।

- समझौते के बाद दो दिन से चल रहा विरोध प्रदर्शन बंद हुआ।
- केलवाड़ा कस्बे के बाजार खुले।

विवाद को लेकर हिंदू संघर्ष समिति का कहना था कि जब भी हिंदू समाज द्वारा दुर्ग परिसर में धार्मिक आयोजन की अनुमति मांगी जाती है तो भारतीय पुरातत्व विभाग शासकीय स्वीकृति का हवाला देकर मना कर देता है। जबकि वर्षों से मोहर्रम, बारावफात और छड़ी जुलूस बिना अनुमति के निकाले जाते रहे हैं। इसी भेदभाव को लेकर समिति ने विरोध जताया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब सभी धार्मिक आयोजन प्रशासन और पुरातत्व विभाग की पूर्व अनुमति व दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही संपन्न होंगे। मोहर्रम का जुलूस भी इस बार निर्धारित रूट से थोडा संक्षिप्त करते हुए निकाला जाएगा, ताकि सभी पक्ष संतुष्ट रहे और क्षेत्र में सद्भावना बना रहे।

'देखना मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरू जैसे अन्य साझेदारों के साथ भी इसी तरह की वार्ताएं चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) तभी संभव है जब दोनों पक्षों को समान रूप से लाभ हो।

गोयल ने आगे कहा, "मुक्त व्यापार समझौता तभी संभव है जब पारस्परिक लाभ हो। भारत कभी भी किसी समयसीमा या दबाव के आधार पर व्यापार समझौते में शामिल नहीं होता। कोई समझौता तभी स्वीकार किया जाता है जब वह पूरी तरह परिपक्व हो, अच्छी तरह से बातचीत की गई हो और राष्ट्रीय हित में हो।"

सड़क हादसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीर्थयात्री सुरक्षित हैं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। खान ने बताया कि सभी तीर्थयात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

हड्डियों पर माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन कर रहे हैं शुभांशु

नई दिल्ली, 05 जुलाई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं। एक दिन के आराम के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में हड्डियों पर सूक्ष्म माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन शुरू किया। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया जा रहा है कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी से हड्डियों पर क्या असर पड़ता है और इससे धरती पर ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) जैसी बीमारियों के उपचार में कैसे मदद कर सकती है। आंकड़ों की मदद से एक डिजिटल ट्विन यानी वर्चुअल मॉडल बनाया जा रहा है, जो यह दिखा सकेगा कि किसी अंतरिक्ष यात्री की हड्डियां अंतरिक्ष में कैसे प्रतिक्रिया देती हैं और कैसे ठीक होती हैं। यह व्यक्तिगत तरीका भविष्य में मिशन की योजना बनाते समय अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन करने और उनके लिए उपयुक्त समाधान तैयार करने में मदद करेगा।

'राहुल के फोटो वाले सैनेटरी पैड का वितरण "फेक न्यूज़" है'

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी-भाजपा सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोटो छापकर फर्जी वीडियो चला रही है और इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा इसलिए इस मुद्दे पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा भाजपा और उनके लोग एक फेक वीडियो चला रहे हैं, जिसमें राहुल गांधी जी की फोटो एक सेनेटरी पैड पर लगी हुई है।

यह पूरी तरह से फेक है-इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भाजपा नफरत में इतना गिर गई कि बहन-बेटियों को भी नहीं बख्श रहे हैं और उसको लेकर भी फ़र्ज़ी न्यूज फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

- कांग्रेस ने यह दावा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा यह फर्जी वीडियो चला रही है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगी।

कांग्रेस नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का चित्र छापा गया है और भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसे लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूपी सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि हर त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो।"

विपक्षी नेता इस आदेश से आक्रोशित हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह आदेश एक भटकाने वाली रणनीति है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि इस आदेश को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। शमा मोहम्मद ने कहा, "उनका इरादा यह दिखाने का है कि यह मुस्लिम दुकान है और वह हिंदू दुकान है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।"

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी उत्तर प्रदेश सरकार की निंदा की और कहा कि मुज़फ्फरनगर बाईपास पर होटल और दुकानें दस वर्षों से हैं, और अब तक कांवड़ यात्रा शांति से संपन्न होती रही है, "अब यह सब क्यों हो रहा है? अब वे होटल मालिकों से आधार कार्ड माँग रहे हैं। वे दुकानदारों से उनकी पैंट उतरवा रहे हैं।"

'लड़ाई और बंटवारा तो हर घर में होता है'

राबड़ी देवी ने बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार व पार्टी से निकाले जाने पर टिप्पणी की

पटना, 5 जुलाई। तेज प्रताप यादव को लालू परिवार और राजद से 6 साल के लिए निष्कासित किए जाने पर पहली बार राबड़ी देवी ने बयान दिया है। शुक्रवार राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राबड़ी देवी ने तेज प्रताप यादव विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित राजद के सभी बड़े नेता मौजूद थे।

इस कार्यक्रम को मंच से संबोधित करते हुए राबड़ी देवी ने तेज प्रताप विवाद पर कहा, "छोटा घर हो या बड़ा घर में, सबके घर में लड़ाई है, सबके घर में बंटवारा है भाई-भाई में।

इस कार्यक्रम में लालू यादव को फिर से निर्विरोध राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर नीतीश सरकार को जमकर घेरा तो लालू यादव ने लोगों को विश्वास दिलाया कि हम आपके विश्वास को झुकने नहीं देंगे।

इस कार्यक्रम में लालू यादव ने तेजस्वी यादव को लेकर कहा, तेजस्वी रात-दिन एक-कर हर चीजों को देखते हैं, हर जगह जाते हैं। तेजस्वी को हमने आगे खड़ा किया है। चुनाव आ रहा है। इसमें तेजस्वी यादव को जिम्मेदारी देनी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम अपने स्वास्थ्य की चिंता नहीं करते हैं। रोजाना तेजस्वी से पूछते हैं कि कब क्या हो रहा है।

- राजद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में लालू यादव को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया गया।

तेज प्रताप पर केवल राबड़ी देवी का ही बयान सामने आया है। लालू यादव और तेजस्वी का कोई बयान सामने नहीं आया है। मालूम हो कि कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ वाली तस्वीर सामने आने के बाद तेज प्रताप यादव को लालू यादव ने पार्टी और परिवार से 6 साल से निष्कासित कर दिया था।

पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया के अलावा, मीडिया से हुई बातचीत में भी माता-पिता को भगवान मानने की बात कही हैं। तेज प्रताप ने यह भी कहा कि तेजस्वी को सीएम बनाना है।

रोहित गोदारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंगस्टर रोहित गोदारा बताते हुए 5 करोड़ की फिरौती मांगी थी। उसने कहा था कि यदि रुपए नहीं दिए तो उनके पूरे परिवार को जान से मार देंगे। कॉल के दो मिनट बाद शाम 7:15 बजे एक वॉइस नोट भी मिला।

चार जुलाई को एक और वॉइस मैसेज भेजा गया जिसमें रुपए नहीं देने पर धमकी दी गई। सीईओ ने जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है।

सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारतीय एजेन्सियों केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)और प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर की गयी है। नेहल मोदी पर देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव मोदी से संबंधित सबूतों को छिपाने , गवाहों को धमकाने और पैसों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

सूत्रों ने कहा कि अब नेहल मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तालमेल किया जाएगा।

नेहल मोदी की गिरफ्तारी को 13 हजार करोड़ रूपये के बैंक घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कानूनी सफलता माना जा रहा है।

- सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी की गिरफ्तारी सीबीआई व ईडी के आग्रह पर की है। नेहल पर अपने भाई के अपराध के सबूत छिपाने का आरोप है।

'मैं 30-40 साल और जिंदा रहूंगा'

धर्मशाला, 05 जुलाई। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने 90वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर शनिवार को धर्मशाला के मक्लोडगंज में स्थित मुख्य मंदिर त्सुगलाखांग में आयोजित एक विशेष प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने अपनी सेहत और लंबी उम्र को लेकर चल रही अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनके पास अवलोकितेश्वर (करुणा के बौद्ध देवता) का आशीर्वाद है और वह अगले 30-40 साल तक लोगों की सेवा करना चाहते हैं। दलाई लामा ने समारोह में मौजूद 15,000 से ज्यादा भक्तों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे कई संकेत मिले हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद मेरे साथ है। मैंने अब तक अपनी पूरी कोशिश की है और मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अभी 30-40 साल और जिऊंगा। आपकी दुआओं का फल मुझे मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही उन्हें लगता था कि उनका अवलोकितेश्वर से गहरा नाता है। हंसते हुए उन्होंने कहा, मैं 130 साल से ज्यादा जीना चाहता हूं ताकि बुद्ध धर्म और तिब्बत के लोगों की सेवा और कर सकूं। हाल ही में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर कई अफवाहें उड़ रही थीं, खासकर इसलिए क्योंकि उनका 90वां जन्मदिन नजदीक आ रहा था।

हिमाचल में भारी बारिश से अब तक 72 की मौत, 37 लापता

बादल फटने और भारी बारिश से हिमाचल में भारी तबाही हुई है

शिमला, 5 जुलाई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं लोगों की जिंदगियों पर कहर बनकर टूटी हैं। हिमाचल में बादल फटने और बादल फटने से आई तबाही में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 37 लोग अभी भी लापता हैं।

हालांकि मॉनसून के दौरान हिमाचल की परेशानी कम नहीं हुई है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए हिमाचल में रेड अलर्ट जारी किया है। इसे लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। साथ ही उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की भी बात कही है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की करीब 19 घटनाओं और इसके बाद अचानक आई बाढ़ के कारण व्यापक तबाही हुई है। इन घटनाओं में 72 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 लोग लापता हैं।

हिमाचल में मौसम विभाग की रेड अलर्ट की चेतावनी ने एक बार फिर चिंता को बढ़ा दिया है। मौसम विभाग ने हिमाचल के 3 जिलों में 6 जुलाई के लिए रेड अलर्ट की चेतावनी दी है और अन्य जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

- हिमाचल में बादल फटने की 21 घटनाएं हुई हैं, उसकी वजह से राज्य भर में बाढ़ आई हुई है।
- मौसम विभाग ने एक बार फिर रैड अलर्ट जारी किया, जिससे लोगों में भारी चिंता है।

उद्धव ठाकरे-राज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के संस्थापक के रूप में राज ठाकरे की राजनीति आक्रामक क्षेत्रीयता और उत्तर भारतीय प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख पर आधारित थी- एक छवि जिसे अखिल भारतीय दृष्टिकोण रखने वाली कांग्रेस के लिए स्वीकार करना कठिन है। हालांकि राज ठाकरे ने हाल ही में अपने भाषण और रवैये में नरमी दिखाई है, फिर भी कांग्रेस के कई नेता उनके पुराने विचारों से खुद को जोड़ने में हिचकिचाते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय रणनीतिकारों के लिए, राज ठाकरे के साथ मंच साझा करना आगामी महत्वपूर्ण चुनावों, खासकर उत्तर भारत में, नुकसानदायक हो सकता है जहां पार्टी फिर से अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है। इसी के साथ, उद्धव और राज ठाकरे के बीच संबंधों में आती मजबूती ने एमवीए में शक्ति संतुलन और इसकी एकजुटता के भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब यह देखना बाकी है कि ठाकरे भाइयों का यह पुनर्मिलन केवल प्रतीकात्मक है या यह एक ठोस राजनीतिक मोर्चा बनकर उभरेगा। यदि यह एक नया राजनीतिक मंच बनता है, तो यह महाराष्ट्र की विपक्षी राजनीति में कांग्रेस को हाशिए पर धकेल सकता है-विशेषकर उस स्थिति में अगर क्षेत्रीय ताकतें भाजपा और कांग्रेस के वर्चस्व से हटकर एक तीसरा रास्ता तलाशना चाहें। फिलहाल, कांग्रेस की अनुपस्थिति को अनदेखा नहीं किया गया है-और उसकी यह चुप्पी, जितनी दिखती है, उससे कहीं अधिक महंगी साबित हो सकती है।

'नैशनल हैरल्ड को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थापना 1937 में जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी, रफी अहमद किदवई और अन्य लोगों द्वारा की गई थी।"

चीमा ने कहा, "एजेएल का एमओए साफ़ तौर पर कहता है कि उसकी नीति, कांग्रेस की नीति के अनुसार होगी। एजेएल ने कभी लाभ अर्जित नहीं किया। स्वतंत्रता के बाद यह कभी व्यावसायिक संस्था नहीं रही। हम एआईसीसी के माध्यम से उस संस्था को वापस पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे थे जो स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का हिस्सा है। मुद्दा ऋण की वसूली नहीं, बल्कि संस्था को पुनर्जीवित करने का था। एआईसीसी का मकसद बिक्री से लाभ कमाना नहीं था। यह पूरी कहानी का विकृत रूप है।"

ईडी का यह भी आरोप है कि गांधी परिवार ने 90 करोड़ के ऋण के बदले में एजेएल की संपत्तियाँ यंग इंडियन के ज़रिए हड़प लीं, जिसमें उनका 76 प्रतिशत शेयर है।

इससे पहले शुक्रवार को, वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोनिया गांधी की ओर से अपनी दलीलें पूरी कीं।

3 जुलाई को, वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने आरोपपत्र की वैधता के मुद्दे पर दलील देते हुए कहा कि गांधी परिवार यंग इंडियन के लाभार्थी मालिक हैं और अन्य शेयरधारकों की मृत्यु के बाद उन्होंने इस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया।

ईडी ने गांधी परिवार और अन्य के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 और धारा 4 के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है।

इस आरोपपत्र में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज़ प्राइवेट लिमिटेड के नाम भी शामिल हैं।

- ईडी इस मामले में सोनिया व राहुल से पूछताछ कर चुका है। ईडी की चार्जशीट में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी व स्वर्गीय मोतीलाल वोरा, स्व. ऑस्कर फर्नांडिस के भी नाम हैं।

5 साल की बच्ची ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पिता को खेत से पीड़िता के कपड़े और चप्पल मिली। बालिका के पिता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को घटना के बारे में जानकारी दी। वहीं अभियुक्त ने कहा कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है।

पुरी में भगवान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीनों देवता 27 जून को रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथ मंदिर से निकले और अपना जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर पहुंचे। वे वहां एक सप्ताह तक रहे और जगन्नाथ मंदिर लौट आए।

रथयात्रा में शहर में सुरक्षा के लिए कई स्तर के प्रबंध किए गए थे और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पौराणिक कथाओं के अनुसार तीनों देवता अपने जन्मस्थान गुंडिचा मंदिर में अपने वार्षिक नौ दिवसीय प्रवास को समाप्त करते हैं और अपने भव्य रथों पर सवार होकर जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। आधार पना (एक विशेष पेय) अनुष्ठान के बाद देवता नीलाद्री बिजे में जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे जो रथ यात्रा का समापन होगा।

24 जून को चुनाव आयोग द्वारा जारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिसमें हलफनामा और देरी हो जाने पर प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट का आदेश भी लेना पड़ सकता है। बिहार इस मामले में बहुत कमजोर रिकॉर्ड रखता है।

साल 2000 में, जब भारत का रजिस्ट्रार जनरल डेटा रिकॉर्डिंग शुरू कर चुका था, बिहार में सिर्फ 1.19 लाख जन्मों का पंजीकरण हुआ, जो उस साल अनुमानित जन्मों का सिर्फ 3.7 प्रतिशत था। बिहार में जन्म पंजीकरण की दर धीरे-धीरे बढ़ी, लेकिन 2007 में भी, जो लोग इस वर्ष 18 वर्ष के होकर 2025 में मतदान का पात्र बने, केवल 7.13 लाख जन्म पंजीकृत हुए, जो उस साल अनुमानित जन्मों का एक-चौथाई था।

पासपोर्ट की मांग, एक और दस्तावेज़ है, जो अजीब है, क्योंकि 2023 तक बिहार में वैध पासपोर्टों की संख्या सिर्फ 27.44 लाख थी, जो कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत ही थी।

मैट्रिक या शैक्षिणक प्रमाणपत्र, जो मान्यता प्राप्त बोर्डों/विश्वविद्यालयों द्वारा जारी होते हैं: सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी. और बिहार राज्य बोर्ड जैसे बोर्ड इन्हें देते हैं। बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार राज्य की केवल 14.71 प्रतिशत आबादी कक्षा 10 उत्तीर्ण है। यह दर और भी कम है क्योंकि राज्य में ड्रॉप-आउट दर 26 प्रतिशत (कक्षा 6-8) है, जैसा कि शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने 3 फरवरी, 2025 को लोकसभा में बताया।

स्थायी निवास प्रमाणपत्र, जिसे डोमिसाइल सर्टिफिकेट भी कहा जाता है, यह प्रमाणित करता है कि आवेदक स्थायी निवासी है। इसके लिए आवेदक को आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी, मैट्रिक प्रमाणपत्र और स्थायी निवास का हलफनामा प्रस्तुत करना होता है; फॉर्म बी.डी.ओ. या कार्यपालक मजिस्ट्रेट को जमा करना होता है। इसमें 15 दिनों तक समय लग सकता है, और दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

वन अधिकार प्रमाणपत्र, प्राप्त करना आसान नहीं है। 1 जून 2025 तक हमारे पास विविध जनजातीय मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में इस अधिनियम के तहत केवल 4,696 दाखिले प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 191 को प्रदान किया गया और 4,496 दाखिले अस्वीकृत कर दिए गए।

ओ.बी.सी./एस.सी./एस.टी. या किसी भी जाति का प्रमाणपत्र, जो सक्षम प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है: बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार, बिहार की कुल आबादी 13.07 करोड़ थी। इसमें से: ओ.बी.सी. 3.54 करोड़ (27 प्रतिशत), ई.बी.सी. 4.70 करोड़ (36 प्रतिशत), एस.सी. 2.6 करोड़ (20 प्रतिशत), एस.टी. 22 लाख (1.6 प्रतिशत। लेकिन इनमें से कितनों को इन जाति प्रमाणपत्रों का लाभ मिला, इसका कोई आंकड़ा मौजूद नहीं है।

यदि कोई व्यक्ति इनमें से कोई एक भी दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो चुनाव आयोग के निर्देश धारा 5बी के अनुसार, संबंधित अधिकारी "संदिग्ध विदेशी नागरिकों" के मामलों को नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत काबिल प्राधिकारी के पास भेज सकते हैं।

चुनाव आयोग ने पूरी प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल बनाने की इण्डिया ब्लॉक की अपील को नहीं माना।

चुनाव आयोग की इस पहल को सोशल मीडिया पर वोटबंदी कहा जा रहा है, जैसे 2016 की नोटबंदी और कोविड-19 के समय की देशबंदी।

बिहार में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में होने हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908